an>

Title: Need to provide special assistance for treatment of Jaundice in Shimla and Solan district in Himachal Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, गत् दो-तीन महीनों से हिमाचल प्रदेश के सोलन व शिमला जिलों के कुछ क्षेत्रों में पीलिया ने हजारों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। शिमला नगर निगम तथा सोलन नगरपालिका के पीने के पानी में हिपेटाइटिस-सी का वायरस उपलब्ध होने के कारण हजारों लोग पीलिया से प्रभावित हो रहे हैं तथा कुछ लोगों की इसके कारण मौत भी हो गयी है। यह वायरस अश्विनी खंड के पानी को पीने के कारण आया है क्योंकि शिमला के सीवरेज़ ट्रीटमेंट प्लांट के रख-रखाव में त्रुटि के कारण यह हो रहा है।

प्रदेश सरकार विशेषकर सिंचाई व जन-स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण यह रोग फैला है। हालांकि आम जनता तथा मीडिया के माध्यम से प्रदेश सरकार और विभाग को समय-समय पर इस बारे में अवगत कराया गया परंतु फिर भी प्रदेश सरकार इस बारे में गंभीर होती नज़र नहीं आ रही है। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में यहाँ के पानी के सभी नमूने फेल हुए हैं और हिपेटाइटिस-सी वायरस का रिजल्ट पाजिटिव आया है। प्रदेश सरकार की नाकामी के कारण तथा समय रहते कदम न उठाये जाने के कारण यह सब कुछ हुआ है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि केन्द्र सरकार की एक टीम इन प्रभावित क्षेत्रों में भेजी जाए तथा वहाँ का जायजा लेकर, यदि आवश्यकता हो, तो प्रदेश सरकार को पीलिया की रोकथाम हेतु विशेष सहायता प्रदान की जाए। हालांकि केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ राशि इसके निदान हेतु स्वीकृत की है परंतु फिर भी और अधिक राशि पीलिया की रोकथाम के लिए दी जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Virender Kashyap.